02/06/26

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

L

Sr. No. of Question Paper : 1498

Unique Paper Code : 2103100018

Name of the Paper : Research Methodology

Name of the Course : **B.A. Hons. 3rd Year DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the epistemological and interpretative dimensions of Indian philosophical methodology with reference to N. N. Chakraborti.

एन. एन. चक्रवर्ती के संदर्भ में भारतीय दार्शनिक पद्धति के ज्ञानमीमांसात्मक तथा व्याख्यात्मक आयामों की विवेचना कीजिए।

Or (या)

Explain J. N. Mohanty's analysis of pramāṇa and rationality in Indian philosophy. How does he establish the philosophical relevance of the Indian theory of knowledge?

जे. एन. मोहंती द्वारा प्रतिपादित प्रमाण तथा युक्तिसंगतता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। वे भारतीय ज्ञानमीमांसा की दार्शनिक प्रासंगिकता को किस प्रकार स्थापित करते हैं?

2. Critically evaluate the philosophical significance of Critical Theory with special reference to Herbert Marcuse.

हर्बर्ट मार्क्यूज़ के विशेष संदर्भ में समालोचनात्मक सिद्धांत के दार्शनिक महत्व का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Or (या)

P.T.O.

What is analytic philosophy according to Dagfinn Føllesdal? Discuss its nature, method, and Philosophical importance.

डैगफिन फॉलेस्डाल के अनुसार विश्लेषणात्मक दर्शन क्या है? उसकी प्रकृति, पद्धति तथा दार्शनिक महत्व की विवेचना कीजिए।

3. How do the concepts of *Darśana* and *Ānvīkṣikī* reflect the experiential, rational, and spiritual dimensions of Classical Indian Philosophy? Discuss critically.

दर्शन और आन्वीक्षिकी की अवधारणाएँ शास्त्रीय भारतीय दर्शन के अनुभवात्मक, तार्किक तथा आध्यात्मिक आयामों को किस प्रकार अभिव्यक्त करती हैं? समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

Or (या)

Evaluate the interpretative and hermeneutic techniques employed by Buddhist thinkers in understanding philosophical doctrines, with special reference to H. S. Prasad.

एच. एस. प्रसाद के विशेष संदर्भ में बौद्ध दार्शनिकों द्वारा सिद्धांतों की व्याख्या हेतु अपनाई गई व्याख्यात्मक एवं अर्थमीमांसात्मक पद्धतियों का मूल्यांकन कीजिए।

4. Discuss the role of argument construction, conceptual clarity, and logical organisation in philosophical writing according to A. P. Martinich.

ए. पी. मार्टिनिच के अनुसार दार्शनिक लेखन में तर्क-निर्माण, वैचारिक स्पष्टता तथा तार्किक संगठन की भूमिका की विवेचना कीजिए।

Or (या)

Why is citation considered an essential component of academic writing? Compare the major citation styles and explain how they help prevent intellectual dishonesty.

शैक्षणिक लेखन में उद्धरण को अनिवार्य तत्व क्यों माना जाता है? प्रमुख उद्धरण शैलियों की तुलना करते हुए बौद्धिक अनैतिकता को रोकने में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5. Examine the ethical responsibilities of authors, editors, and publishers in academic publication. Why is publication ethics necessary in research?

शैक्षणिक प्रकाशन में लेखक, संपादक तथा प्रकाशक की नैतिक जिम्मेदारियों का परीक्षण कीजिए। अनुसंधान में प्रकाशन नैतिकता क्यों आवश्यक है?

Or (या)

Critically explain the nature and causes of plagiarism in academic writing. Discuss its various forms and examine the importance of plagiarism detection software in research.

शैक्षणिक लेखन में साहित्यिक चोरी की प्रकृति एवं कारणों का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए। इसके विभिन्न रूपों की चर्चा करते हुए अनुसंधान में साहित्यिक चोरी पहचानने वाले सॉफ़्टवेयर के महत्व का परीक्षण कीजिए।